दिल्ली पुलिस समाचार

(विशेषांक)

अंक 101 नवम्बर 2014 - जनवरी 2015 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका



केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा दिल्ली पुलिस के एक और नए ऐप 'हिम्मत' का उद्घाटन

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 30 नवम्बर, 2014 को गुवाहाटी में आयोजित 49वीं अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षकों के सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए दिये गये भाषण के महत्वपूर्ण अंश



गुवाहाटी (असम) में आयोजित 49वीं अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षकों की बैठक को सम्बोधित करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पिछले वर्षों की परंपरा को तोड़ कर इस वर्ष गुवाहाटी में आयोजित हुए सम्मलेन को लेकर आपको आश्चर्य हुआ होगा। परन्तु जब आप मीटिंग के लिए दिल्ली में जाते होंगे तो व्यस्तताओं के साथ जाते होंगे। आप सोचते होंगे कि दिल्ली आए हैं तो दो चार काम अपने भी निबटा लें, अपने मंत्रालय में सचिव आदि से मुलाकात आदि कर लें। आप सभी यहाँ आकर पूरी तरह एक–दूसरे से घुल–मिल गए होंगे और सभी ने अपना ध्यान यहाँ हुई गतिविधियों पर केन्द्रित भी किया होगा। पूर्वोत्तर के लोगों का उत्साह भी बढ़ा होगा, पुलिस बेड़ों में भी उत्साह बढ़ा होगा। आप में यही बदलाव कितने बड़े परिणाम ला सकता है। मैं चाहूँगा कि ऐसे कार्यक्रम दिल्ली से बाहर भी आयोजित हुआ करें और जब दिल्ली की बारी आएगी तो उसमें भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित हों। दिल्ली में जब ऐसे कार्यक्रम आयोजित होते हैं तो भारत सरकार और विज्ञान भवन रेडिमेड रहता और जिसमें दिल्ली पुलिस की कोई भूमिका नहीं होती। आप सभी अपने भवनों में रहते हैं और चले आते हैं। किसी भी व्यवस्था में बदलाव बहुत जरूरी है। व्यवस्थाएँ रोबोटिक नहीं बल्कि जीवंत होनी चाहिए, व्यवस्थाएँ प्राणवान होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सफलता की मूलधारा उसका गुप्तचर तंत्र होता है। जिस व्यवस्था में उत्तम प्रकार की गुप्तचर व्यवस्था होती है उसे न कभी शस्त्रधारी की जरूरत पड़ती न कभी शस्त्र की जरूरत पड़ती और न ही शस्त्र के उपयोग की जरूरत पड़ती। रक्षा के क्षेत्र में सुरक्षा के विषय पर सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुप्तचर व्यवस्था होती है। आजादी के बाद से लगभग 33 हजार पुलिस जवानों ने देश की रक्षा के लिए व नागरिकों की सुख–सुविधा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। यह घटना छोटी नहीं हैं। मुझे लगता है कि यह 33 हजार बलिदान व्यर्थ नहीं जाने चाहिए। समाज में उनके प्रति सम्मान कैसे बढ़े, वो भी किसी माँ के लाल थे। उनके प्रति उदासीनता न बरती जाये और उनके लिए एक टास्कफोर्स बने। जिसमें कुछ अनुभवी अधिकारी उनके बलिदान की विरासत को अपनी कार्यशैली में शामिल करें ताकि वे हमेशा–हमेशा के लिए हमारी प्रेरणा का कारण बनें। शहीदों के लिए भी एक प्रोटोकोल बनें, जो शहीद पुलिसकर्मी हैं उसके शरीर की अंत्येष्टि की सारी क्रिया उस प्रोटोकोल के तहत ही हो, ताकि उसे सम्मान मिल सके। पुलिस अकादमी में प्रशिक्षुओं के सलेबस में ऐसी बातें शामिल हों। जिसमें उनके शौर्य, पराक्रम व साहस का उल्लेख करते हुए बताया जाए कि कैसे उन्होंने कितनों की जिंदगी बचाई। इस संबंध में एक सरकारी अधिकृत पुस्तक भी होनी चाहिए जिससे भर्ती होने वाले नए प्रशिक्षु कुछ नया सीख सकें। उन्हें ज्ञात हो कि उनके बेड़े में उनसे पहले कितने बलि चढ़ चुके हैं।

प्रधानमंत्री महोदय, ने अपने सम्बोधन में आगे कहा कि मैं जानता हूँ कि सबसे ज्यादा, तनाव भरी जिंदगी अगर किसी की है, तो वह पुलिसकर्मियों की है, वो अपने जीवन को दांव पर लगाता है। अगर उसके परिवार में सुख, शांति और संतोष नहीं होगा तो वह ड्यूटी नहीं कर पाएगा। चाहे वह कितना भी तपस्वी, त्यागी और बलिदानी पुलिस अफसर क्यों न हों, तो भी परिवार की बेचैनी उसको बेचैन बनाती है। यह सरकार का और हम सबका दायित्व है कि हम पुलिस परिवार के वेलफेयर के लिए कोई सुचारू व्यवस्था विकसित करें, चाहे वह चिकित्सा जांच से संबंधित हो या फिर उनके बच्चों की अच्छी शिक्षा–दीक्षा से संबंधित हो। ज्यादातर जो नीचे तबके के पुलिसकर्मी हैं, उनके रहने की व्यवस्था पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि हमारे गृहमंत्री माननीय श्री राजनाथ सिंह जी, हिन्दुस्तान के सबसे बड़े राज्य के सफल मुख्यमंत्री रहे हैं। उन्हें इन विषयों की बहुत बारीकियों से जानकारी है। उनका मार्गदर्शन इस संबंध में हमारे काम आने वाला है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि हमारे पुलिस वेलफेयर के काम को हम वैज्ञानिक तरीके से विकसित करें।

फिल्मों में पुलिस की भूमिका को नकारात्मक तरीके से प्रस्तुत किये जाने के संबंध में उन्होंने कहा कि मैंने अभी तक बहुत कम ऐसी मूवी देखी हैं, जिसमें पुलिस के त्याग और तपस्वी की कोई कथा आई हो, उसके कारण ही आम जन–मानस पर ऐसी छवि बन गई हैं। इस संबंध में हमें विशेष प्रयास करने चाहिए। भारत सरकार किसी पीआर एजेंसी से मिलकर इन फिल्म निर्माताओं से मिलें और उन्हें बताये कि आप यह क्या कर रहें हैं। अगर हम समाज की रक्षा करने वाली इतनी बड़ी शक्ति का सम्मान और गौरव नहीं बढ़ायेंगे तो उनकी बुराईयॉ कम नहीं होगी। परिवार में भी एक बच्चा गलती करता है या बार–बार उस गलती को दोहराता है। उसकी गलती को ध्यान में रखते हुए उसे अच्छाईयों की ओर ले जाना चाहिए, ताकि वह अपने आपको अच्छा बनाना शुरू कर दें। कमियॉ होंगी, किसमें नहीं हैं। कमियॉ दूर करने का रास्ता भी होता है और वह समाज के बिना नहीं होता। एक लम्बी दूरी की सोच के साथ भारत की पुलिस के संबंध में लोगों की सोच बदल सकते हैं। कभी–कभार क्या होता है कि पुलिस से जुड़ी हुई एक नकारात्मक खबर इतने दिनों तक मीडिया में छाई रहती है, लेकिन उसी कालखंड में सैकड़ों अच्छी चीज़े भी छुपी होती है, वो कभी भी उजागर नहीं होतीं।

उन्होंने अपने गृहराज्य गुजरात का जिक्र करते हुए कहा कि मैंने वहाँ एक छोटा–सा प्रयोग किया था। हर पुलिस थाने की अपनी एक वेबसाइट शुरू की। हर पुलिस थाना अपनी साप्ताहिक अच्छी एवं सकारात्मक गतिविधियों के बारे में, समाज सेवा से जुड़ी गतिवधियों के बारे में, किसी दुःखी की मदद करने के बारे में, किसी का बहुत नुकसान होना था, परन्तु पुलिस ने पहुँच कर उसे बचा लिया आदि जैसे हजारों उदाहरण थे। आपके माध्यम से हजारों घटनाएँ कम होती हैं। अब आप निराश मत होना, आपके माध्यम से देश में बहुत से अच्छे काम हो रहे हैं। उन्हें जनता के सामने उजागर करना है। ये घटनाएँ शत–प्रतिशत सच्ची होनी चाहिए। आप सकारात्मक सोच रखियें, आप पायेंगे कि लाखों सकारात्मक चीज़ें पुलिस के माध्यम से ही हो रही हैं और समाज का फायदा कर रही हैं। बनावटी बातें नहीं होनी चाहिए। धरती पर ऐसे आदमी भी आपको मिलेंगे और कहेंगे कि हाँ भाई मेरे जीवन में तो एक–आध बार पुलिस की अच्छी मदद मिली है। ऐसी बातों को सामूहिक रूप से लोगों के सामने रखें। मैं चाहूँगा कि आप उस दिशा में कुछ सक्रियता से सोचें और सक्रियता के साथ उसे आगे बढ़ायें।

प्रधानमंत्री महोदय, ने कहा कि पुलिस की छवि सुधरने में स्मार्ट पुलिसिंग को अपनाकर नवजागरण एवं नई चेतना लाई जा सकती है। SMART से मेरा अभिप्राय : S- स्ट्रिक्ट एंड सेंसटिव (कठोर लेकिन संवेदनशील) M. मॉर्डन एवं मोबाइल (आधुनिक एवं चलित)। A- अलर्ट एवं अकाउंटेबल (सजग एवं जिम्मेदार), R रिलायबल एंड रिस्पांसिव (विश्वसनीय और प्रतिक्रिया देने वाली) व T. टेक्नो सेवी एंड ट्रेंड (तकनीकी और प्रशिक्षण)।

अंत में उन्होंने कहा कि आगे भी पराक्रमों से भरा हुआ हमारा पुलिस बेड़ा सामान्य नागरिकों की सेवा करने में, उनको सुरक्षा देने में और सबसे बड़ी बात उनमें विश्वास पैदा करने में सफल होगा।

दिल्ली पुलिस में लॉस्ट रिपोर्ट, ट्रैफिक अपग्रेडिड वेबसाइट व पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट जैसी कल्याणकारी योजनाओं की सफलता के बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिए नई ऐप 'हिम्मत' का गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा विज्ञान भवन में उद्घाटन

दिल्ली पुलिस द्वारा पिछले साल शुरू की गई लॉस्ट रिपोर्ट, मोबाइल एप्लीकेशन व अपग्रेडिड वेबसाइट तथा पीपीसी एप्स की सफलता के बाद अब दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस ने **'हिम्मत'** ऐप की शुरूआत की है। **1 जनवरी, 2015 को विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने इस 'हिम्मत' ऐप का उद्घाटन किया। 'हिम्मत' ऐप के लॉच के समय मंच पर समारोह के मुख्य अतिथि श्री राजनाथ सिंह के साथ उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग, गृहसचिव श्री अनिल गोस्वामी, पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा, संयुक्त सचिव श्री आर.के.सिंह एवं हाईवे सचिव श्रीमती स्नेहलता कुमार व उपायुक्त पुलिस (संचार) श्री एस.के. सिंह भी उपस्थित थे।** इस मौके पर विज्ञान भवन के सभागार में दिल्ली पुलिस के सभी वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न स्कूलों की छात्राएँ, विभिन्न संगठनों से जुड़ी महिलाएँ, गणमान्य नागरिक तथा भारी संख्या में पुलिसकर्मी उपस्थित थे। दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना दिल्ली पुलिस के लिए एक अहम चुनौती है। गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा लॉच की गई इस ऐप का लाभ मुश्किल के समय महिलाएँ उठा सकेंगी। इस ऐप को दिल्ली पुलिस की वेबसाइड www.delhipolice.nic.in से डाउनलोड कर उसे प्रयोग करने वाली महिला उस पर स्वयं को दर्ज करा सकेंगी । इस ऐप का प्रयोग करने वाली महिला को अपना नाम, मोबाइल नम्बर और कम से कम दो नज़दीकी संबंधियों या मित्रों के नाम देने होंगे। वेबसाइट पर रजिस्टर कराने के बाद उन्हें दिये गये मोबाइल फोन पर एसएमएस मिलेगा जिसमें डाउनलोड लिंक और रजिस्ट्रेशन के बारे में सूचना होगी। इस ऐप को प्रयोग करने वाली महिला जब भी किसी आपात स्थिति में होगी तो वह उसके द्वारा फोन को हिलाने या पावर बटन दबाने मात्र से उसका एसएमएस दिल्ली पुलिस नियंत्रण कक्ष और उसके दो नजदीकी संबंधियों को मिल जाएगा। इसके साथ ही पावर बटन दबाते ही स्वतः तीस सेकेंड की ऑडिया–वीडियो रिकॉर्डिंग खुद ब खुद तैयार हो जाएगी और ऐप उसे स्वयं ही पुलिस नियंत्रण कक्ष को उसकी वीडियो भेज देगा। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस साइबर हाईवे की मदद से घटनास्थल के पास में पड़ने वाले पुलिस स्टेशन को भी एसएमएस के माध्यम से सतर्क किया जा सकेगा। फिलहाल यह 'हिम्मत' ऐप एंड्रॉयड फोन पर ही काम करेगा और इस सुविधा का तीन बार गलत इस्तेमाल करने पर यानि फर्जी अलर्ट भेजने पर रजिस्ट्रेशन रद्द हो सकता है। इस नए ऐप 'हिम्मत' का उपयोग महिलाएँ केवल आपात स्थिति में ही कर सकेंगी। दुरूपयोग की स्थिति में यह सुविधा खत्म किये जाने पर इसे चालू कराने के लिए पुनः रजिस्टर करना होगा। इस 'हिम्मत' के लागू होने से किसी भी संकट में फंसी महिला को तत्काल मदद मिल सकेगी। इस मौके पर मुख्य अतिथि श्री राजनाथ सिंह ने 'हिम्मत' ऐप की प्रशंसा करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस में 33 प्रतिशत महिलाओं के पद आरक्षित किये जायेंगे। हालांकि इसमें तीन से चार वर्ष तक का समय लग सकता हैं। दिल्ली पुलिस ने सेल्फ डिफेंस के कई कार्यक्रम चलाये हैं जिनके सकारात्मक परिणाम भी सामने आये हैं। राजधानी की पुलिस होने के नाते दिल्ली पुलिस को अन्य राज्यों की पुलिस के लिए रोल मॉडल होना चाहिए। उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग ने दिल्ली पुलिस की प्रंशसा करते हुए कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष से दिल्ली पुलिस दिल्ली में महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने का प्रयास कर रही है। दिल्ली में कुछ गलतियाँ भी हुई हैं लेकिन उनके लिए समाज, शिक्षा और लोगों की सोच आदि का भी रोल रहा है। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि हमारा इरादा है कि महिलाएँ शहर में स्वयं को सुरक्षित महसूस करें। इसीलिए हमने इस ऐप का नाम 'हिम्मत' रखा है कि हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। हमें महिलाओं को इतना सशक्त बनाना है कि वे विकृत मानसिकता वाले लोगों का मुकाबला कर सकें। वर्ष 2014 के दौरान भी महिलाओं के लिए पहले से चालू कई हैल्पलाइनों का पीड़ित महिलाओं ने बहुतायात संख्या में उपयोग किया है, जिसमें लगभग 11000 महिलाओं ने 100 नम्बर पर, 49717 महिलाओं ने 1096 पर और 1410 महिलाओं ने मदद के लिए 1091 महिला हैल्पलाइन का उपयोग किया है।



विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में सम्मिलित होने आए उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग का स्वागत करते हुए वि.पु.आ. श्रीमती एस.सुन्दरी नन्दा।


'हिम्मत' ऐप का डिज़ाईन करने वाली टीम से बात करते हुए मुख्य अतिथि श्री राजनाथ सिंह


केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह समारोह में एक आई एक बालिका को चिल्ली स्प्रे देकर उसे प्रोत्साहित करते हुए।


मुख्य अतिथि श्री राजनाथ सिंह, गृह सचिव श्री अनिल गोस्वामी व पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी बालिकाओं से बातचीत करते हुए।



दर्शक दीर्घा में उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं आमंत्रित अतिथिगण

छाया : दीपक

पुलिस आयुक्त द्वारा वार्षिक संवाददाता सम्मेलन सम्बोधित



वार्षिक संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए पुलिस आयुक्त

2 जनवरी, 2014 को इंडिया हैबिटेट सेंटर में **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने दिल्ली पुलिस के वार्षिक संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित किया। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा, श्री दीपक मिश्रा व श्री ताज हसन** उनके साथ मंच पर आसीन थे। जबकि दिल्ली पुलिस के समस्त विशेष पुलिस आयुक्त, सभी छह रेजों के संयुक्त पुलिस आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस, समस्त जिलों एवं ईकाइयों के उपायुक्त पुलिस व भारी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सभागार में उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों एवं मीडियाकर्मियों ने गतवर्ष वीरगति को प्राप्त हुए पुलिसकर्मियों एवं मीडियाकर्मियों की याद में 2 मिनट का मौन धारण कर उनके प्रति अपनी श्रद्धाजंलि अर्पित की। मंच का संचालन जनसम्पर्क अधिकारी श्री राजन भगत ने किया। **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने लगभग दो घंटे संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित किया और वर्षभर की दिल्ली पुलिस की उपलब्धियों और सकारात्मक गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस द्वारा गतवर्ष शुरू की गई लॉस्ट रिपोर्ट, ट्रैफिक अपग्रेडिड वेबसाइट व पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट योजनाओं के काफी सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इसी से प्रेरित होकर दिल्ली पुलिस ने 1 जनवरी, 2015 को ही नई ऐप 'हिम्मत' शुरू की है जो दिल्ली में महिलाओं में सुरक्षा उत्पन्न करने और संकट के समय उनकी मदद के लिए काफी कारगर साबित होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस महिलाओं की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह सजग एवं प्रतिबद्ध है और इसके लिए जो भी कदम उठाये जा सकते हैं, उठाये जा रहे हैं व उनमें ज्यादा से ज्यादा सुधार के प्रयास भी किये जा रहे हैं।

पुलिस आयुक्त महोदय, ने दिल्ली पुलिस के सभी जिलों/यूनिटों की कार्यशैली और उनके द्वारा किये गये रचनात्मक कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हालांकि पिछले वर्षों की अपेक्षा गतवर्ष अपराध दर्ज करने की संख्या में अच्छी–खासी बढ़ोत्तरी हुई है। इसका प्रमुख कारण हमारी फ्री रजिस्ट्रेशन योजना पर गंभीरता से काम करना भी रहा है। इसके साथ ही हम किसी भी आतंकी घटना को रोकने में सफल हुए हैं और ऐसा माहौल बनाने में भी सफल हुए हैं कि अब महिलाओं के साथ–साथ आम आदमी भी निःसंकोच होकर अपनी शिकायत पुलिस में दर्ज करा रहा है। इस वर्ष महिलाओं को निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण पर जोर देने के साथ–साथ महिलाओं का आत्मविश्वास मजबूत करने की दिशा में यथासंभव कदम उठाये गये हैं। उन्होंने कहा कि भले ही ज्यादा मामले दर्ज होने से आंकड़ों में वृद्धि हुई है, परन्तु इससे पुलिस को अपनी कार्यक्षमता, कार्यशैली का आंकलन होने के साथ–साथ आम आदमी को राहत भी मिली है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस तब तक शांति से नहीं बैठेगी जबतक की हमारी सभी बहन/बेटियाँ स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करेगी। इसके लिए उन्होंने मीडिया से भी सहयोग करने की अपील की है।



वार्षिक संवाददाता सम्मेलन के दौरान हुए प्रश्नोत्तर को सुनते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण

गतवर्ष दिल्ली में घटित हुए अपराधों के आंकड़ों से मीडियाकर्मियों को अवगत कराते हुए श्री बस्सी ने कहा कि दिल्ली में महिलाओं के प्रति घटित होने वाले अधिकांश मामलों में परिचित या रिश्तेदार शामिल पाये गए हैं। अधिकांश चर्चित, संगीन एवं घृणित मामलों को सुलझा लिया गया है, अपवाद को छोड़ कर। यातायात पुलिस की सतर्कता की वजह से पिछले वर्षों की अपेक्षा गत वर्ष घातक दुर्घटनाओं में काफी कमी आई है। हालांकि ड्रंकन ड्राइविंग के मामलों में बढ़ोत्तरी हुई है, जिन्हें रोकने के दिल्ली यातायात पुलिस यथासंभव प्रयास कर रही है।



वार्षिक संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करने से पूर्व गतवर्ष शहीद हुए पुलिसकर्मियों एवं मीडियाकर्मियों की याद में दो मिनट का मौन धारण करते हुए।

संवाददाता सम्मेलन के दौरान मीडियाकर्मियों के साथ हुए सवाल–जवाब में सभागार में कई बार हंसी–मजाक का माहौल बना तो कई बार गंभीर प्रश्नों के उत्तरों के दौरान गंभीरता का अहसास भी हुआ। मीडियाकर्मियों द्वारा पूछे गये सभी सवालों का बड़े ही इत्मीनान, धैर्य और आकड़ों के साथ जवाब देते हुए पुलिस आयुक्त महोदय ने कहा कि दिल्ली पुलिस शहर में अच्छी सुरक्षा–व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है और दिल्ली के नागरिकों की सुरक्षा के लिए मुस्तैद है। श्री बस्सी ने मीडिया की महत्ता और मीडियाकर्मियों के साथ बेहतर बर्ताव करने पर जोर देते हुए कहा कि जिस तरह पुलिसकर्मी अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं ठीक उसी तरह मीडियाकर्मी भी समाज के प्रति अपने दायित्व को निभाते हैं। मीडियाकर्मियों के साथ पुलिस का व्यवहार संबंधी एक संक्षिप्त अध्याय पुलिस प्रशिक्षण में शामिल करने पर भी जोर दिया गया।

उन्होंने कहा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले दिनों मन की बात करते हुए युवाओं में ड्रग्स के बढ़ते चलन पर अपनी चिंता जाहिर की थी। दिल्ली पुलिस उस दिशा में गंभीरता से कार्यवाही करने के साथ–साथ महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी कठोर कदम उठा रही है। दिल्ली पुलिस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी मुहिम चला रखी है। उसी के अन्तर्गत पिछले दिनों कई ऐप शुरू कर न केवल पुलिसकर्मियों को, बल्कि आम–नागरिकों को भी जागरूक किया गया है। पुलिस आयुक्त महोदय, पुलिसकर्मियों की समय पर पदोन्नति एवं उनकी अन्य कल्याणकारी योजनाओं पर भी गंभीरता से काम करने के लिए सभागार में उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से आह्वान किया।

पूर्वोत्तर राज्यों के नौजवान भी निभायेंगे दिल्ली पुलिस में अहम भूमिका : केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री किरण रिजिजू



30 दिसम्बर, 2014 को **केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री किरण रिजिजू** ने पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से पूर्वोत्तर राज्यों के नागरिकों की समस्याओं से निपटने पर विचार–विमर्श किया। इससे पूर्व पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर पुलिस मुख्यालय प्रांगण में केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा, श्री दीपक मिश्रा, श्री ताज हसन, श्री अमूल्य पटनायक, श्री किशन कुमार, श्री पी.कामराज, श्री अरविंद दीप, श्री राजेश मलिक, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.के.गौतम** सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। श्री किरण रिजिजू ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान कहा कि दिल्ली पुलिस में पूर्वोत्तर के लोगों का प्रतिनिधित्व कम होने के कारण पूर्वोत्तर से जुड़े लोगों की समस्याओं के समाधान में काफी परेशानी महसूस होती है। इसीलिए दिल्ली पुलिस में पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों की भर्ती दिल्ली पुलिस में की जाए। इसके लिए पहले चरण में वर्ष 2015 के दौरान सभी पूर्वोत्तर राज्यों से 10 महिला और 10 पुरूष पुलिसकर्मियों की कुल 160 लोगों की भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि विशेष भर्ती अभियान के तहत सभी 8 पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र



गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री रिजिजू

लिख कर अपने अपने राज्यों से दिल्ली पुलिस में भर्ती करने के लिए औपचारिकताएँ पूरी करने के लिए कहा जाएगा। जिसके बाद राज्यों के पुलिस महानिदेशक योग्यता एवं अन्य मापदंडों के आधार पर भर्तियॉ करेंगे और बाद में उन्हें दिल्ली पुलिस के लिए भेज देंगे। इस मौके पर केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री किरण रिजिजू ने दिल्ली पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी द्वारा पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों की भर्ती संबंधी प्रस्तुत अर्ध सरकारी पत्र पर हस्ताक्षर किये।



पुलिस आयुक्त द्वारा पुलिस मुख्यालय की नई कैन्टीन का उद्घाटन और उसके संचालन का प्रभार स्वयंसेवी संस्था ''स्त्री शक्ति'' के हाथ







2 जनवरी, 2015 की शाम पुलिस मुख्यालय के प्रथम तल पर स्थित दिल्ली पुलिस की नई कैन्टीन का **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त, श्रीमती विमला मेहरा, श्री दीपक मिश्रा एवं श्रीमती एस. सुन्दरी नन्दा** सहित भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। एक नए तरीके से सुसज्जित की गई इस कैन्टीन को चलाने का दायित्व एक स्वयंसेवी संस्था ''स्त्री शक्ति'' को दिया गया है। वर्तमान में यह संस्था दिल्ली सचिवालय स्थित दिल्ली सरकार की कैन्टीन भी चला रही है। यह संस्था खान–पान की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ–साथ कैंटीन को सुचारू रूप से चलाने में भी दक्ष मानी जाती है। स्त्री शक्ति स्वयंसेवी संस्था गरीबों और बेसहारा लोगों के बीच काम करती है। उद्घाटन के मौके पर संस्था की संचालिका **श्रीमती मन्निदर कौर बेदी** भी उपस्थित थी। इस संस्था का ध्येय **''मैं नही बल्कि हम''** पर आधारित है।

पुलिस आयुक्त ने इंडिया गेट पर 11 हाईटेक इंटरसेप्टर कारों को हरी झंडी दिखा कर यातायात पुलिस के बेड़े में शामिल किया!







17 दिसम्बर, 2014 को **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने दिन व रात के समय तथा खराब मौसम के दौरान तेजगति से भाग रहे वाहनों की तस्वीर कैद करने तथा अन्य प्रकार से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर निगरानी रखने वाले **11 अत्याधुनिक वाहनों (इंटरसेप्टर)** को हरी झंड़ी दिखा कर रवाना किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा, श्री दीपक मिश्रा, श्री ताज हसन, श्री अमूल्य पटनायक, श्री पी. कामराज, श्री राजेश कुमार मलिक, श्री मुक्तेशचन्द्र, श्री बालाजी श्रीवास्तव, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री अनिल शुक्ला, श्री एस.के गौतम तथा श्री शरद अग्रवाल** सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं यातायात पुलिस के जवान उपस्थित थे। डे एंड नाईट स्पीड़ एनफोर्समेंट सिस्टम व्हीकल (इंटरसेप्टर) को सभी 11 जिलों के प्रमुख चौराहों पर तैनात किया जाएगा। दिल्ली यातायात पुलिस देश की पहली ऐसी यातायात पुलिस बन गई है, जिसके पास ऐसे अत्याधुनिक इंटरसेप्टर्स उपलब्ध हैं। इनोवा कारों को विशेषतौर पर इंटरसेप्टर्स के रूप में तैयार किया गया। जिसकी मदद से ओवर स्पीडिंग, डेंजरस ड्राइविंग, लेन वायलेशन तथा अन्य किसी प्रकार से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों और चालकों पर निकट से निगरानी रखी जा सकेगी। इन इनोवा कारों में एविडेंशियल ट्रैफिक इंफोर्समेंट रिकॉर्डिंग सिस्टम प्रिंटआउट की सुविधा भी होगी। ये इंस्टरसेप्टर्स दिन व रात या फिर खराब मौसम में हर समय सड़कों पर वाहनों की मॉनिटरिंग कर सकेंगे और इनमें 320 किमी प्रति घंटा की रफ्तार को कैप्चर करने की क्षमता है। 1000 मीटर तक सटीक निशाने के साथ मार करने वाली लेज़र स्पीड़ गन के साथ–साथ हाई ज़ूम वाइड और ऑटो व मैन्युअल फोकस करने वाले रंगीन कैमरे भी लगे हुए हैं। कैमरों की मदद से सड़क पर किसी भी एंगल से दौड़ रहे वाहनों की रफ्तार कैप्चर करने की क्षमता है। 25 से 200 मीटर तक की दूरी पर चल रहे वाहनों की नम्बर प्लेट स्कैन करने की क्षमता के साथ–साथ इन कारों में ऑटोमेटेड ओवर स्पीडिंग इंफोर्समेंट सिस्टम भी मौजूद हैं। रिकॉर्डिंग देखने के लिए प्ले बैक एलसीडी मॉनिटर सहित अन्य कई तकनीक से सुसज्जित यह इंटरसेप्टर्स सुचारू यातायात व्यवस्था में काफी उपयोगी सिद्ध होगी। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री बस्सी ने कहा कि इन इंटरसेप्टरर्स के दिल्ली यातायात पुलिस बेड़े में शामिल होने से रात के समय तेज गति से चलने वाले वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं में कमी आएगी, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों पर अकुंश लगाया जा सकेगा और दिल्ली यातायात पुलिस की ताकत भी बढ़ेगी।

उद्धरण

मैंने यह भी सोचा है कि दिल्ली पुलिस में विशेष रूप से नॉर्थ–ईस्ट के बच्चों को पुलिस के रूप में भर्ती किया जाए, उनको अवसर दिया जाए। देश की राजधानी में नॉर्थ–ईस्ट के बच्चे पुलिसिंग करते हों तो पूरी दुनिया को पता चले कि नॉर्थ–ईस्ट के नौज़वान हमारी पूरी दिल्ली को कैसे संभालते हैं, इस दिशा में, मैं काम करना चाहता हूँ । 30 नवम्बर, 2014 को मणिपुर में आयोजित संगई उत्सव के समापन समारोह में **माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी।**

महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए सामाजिक जागरूकता भी जरूरी है।
– श्री नज़ीब जंग, महामहिम उपराज्यपाल, दिल्ली

दिल्ली पूरी तरह सुरक्षित है और दिल्ली पुलिस दिल्ली की सुरक्षा करने में पूरी तरह से सक्षम हैं। आतंकवादियों और असामाजिक तत्वों के मंसूबों को कदापि कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। नागरिक संदिग्ध लोगों और वस्तुओं से सतर्क रहें और अफवाहों पर ध्यान न दें।
– श्री भीम सैन बस्सी, पुलिस आयुक्त, दिल्ली

अब महिलाओं में काफी आत्मविश्वास आया है जो अपने साथ घटित हुई घटना की रिपोर्ट लिखाने में कोई झिझक महसूस नहीं करती है। यह अच्छा संकेत हैं। **– श्री भीम सैन बस्सी, पुलिस आयुक्त, दिल्ली**

जिस तरह कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिसकर्मियों का दायित्व हैं। ठीक उसी तरह अपने आस–पास की साफ–सफाई बनाए रखना भी हम सब का नैतिक कर्तव्य हैं।
–श्री ताज हसन, विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध)

जैसे पुलिसकर्मी अपराधियों को पकड़ कर समाज की गंदगी दूर करते हैं। ऐसे ही हमें अपने आसपास स्थित कूड़े कचरे को भी साफ रखना चाहिए। **– श्री रवीन्द्र यादव, संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध)**

भारत स्वच्छता अभियान एक बेहतरीन पहल है। हम सबको इसमें सार्थक भूमिका निभाते हुए ईमानदारी के साथ काम करना चाहिए।
– अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (अपराध) श्री अशोक चांद।

गृह राज्यमंत्री श्री हरिभाई पर्थीभाई चौधरी का पुलिस मुख्यालय में दौरा





7 जनवरी, 2015 को **केंद्रीय गृह राज्यमंत्री श्री हरिभाई पर्थीभाई चौधरी** ने पुलिस मुख्यालय का दौरा किया। पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर श्री हरिभाई पर्थीभाई चौधरी को पुलिस मुख्यालय प्रांगण में गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने श्री चौधरी के पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। इस मौके पर दिल्ली पुलिस के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे। पुलिस नियंत्रण कक्ष एवं सी 4–आई का निरीक्षण करने के बाद श्री चौधरी ने सम्मेलन कक्ष में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ दिल्ली की कानून व्यवस्था के बारे में विचार–विमर्श किया। श्री चौधरी ने दिल्ली पुलिस के कामों की प्रशंसा करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस ने महिलाओं की सुरक्षा में एक और कदम बढ़ाते हुए पिछले दिनों जो 'हिम्मत' ऐप लांच किया है। वह भविष्य में काफी कारगर साबित होगा। उन्होंने दिल्ली पुलिस द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए किये जा रहे प्रयासों की सराहना की और गणतंत्र दिवस के सुरक्षा प्रबंधों पर भी जानकारी हासिल की। बैठक के उपरांत **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने गृह राज्यमंत्री श्री हरिभाई प्रर्थीभाई चौधरी को दिल्ली पुलिस का स्मृति चिन्ह् भेंट किया।







1 जनवरी 2015 को विज्ञान भवन में 'हिम्मत' ऐप के उद्घाटन के बाद केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने भ्रष्टाचार से संबंधित एक नई मोबाईल ऐप्लीकेशन का उद्घाटन किया। यह मोबाईल ऐप्लीकेशन रेहड़ी–पटरी वालों के पंजीकरण एवं उन्हें परेशान न करने तथा फुटपाथों एवं आवागमन के रास्तों पर अतिक्रमण न करने से संबंधित है।

34वें अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में दिल्ली यातायात पुलिस का मंडप





















































तिरंगे की तरह यातायात के लाल, पीले व हरे रंगों का भी सम्मान करें

सुचारू यातायात एवं सड़क सुरक्षा के प्रति समर्पित दिल्ली यातायात पुलिस

पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने 25 नवम्बर को विजय विहार थाने की नई बिल्डिंग का उद्घाटन किया



पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने 25 नवम्बर, 2014 को बाहरी जिला के विजय विहार थाने की नई बिल्डिंग का उद्घाटन किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आर. एस. कृष्णैया, उपायुक्त पुलिस, बाहरी जिला श्री विक्रमजीत** सिंह के अलावा भारी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। इस मौके पर पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को सम्बोधित करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि पुलिसकर्मियों पर काफी जिम्मेदारियाँ होती हैं, परन्तु इसके बावजूद हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि हम ज्यादा से ज्यादा बेहतर सेवा जनता को दे सकें। क्योंकि जनता की सेवा व रक्षा ही हमारा कर्तव्य एवं परम् धर्म है। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर अच्छा माहौल निश्चित तौर पर बेहतर काम करने में सहायक होता है। सभी आधुनिक संसाधनों से सुज्जित थाने की नई बिल्डिंग में पार्किंग की भी अच्छी व्यवस्था है।



आधुनिक सुविधाओं से लैस पाक प्रकोष्ठ का पुलिस आयुक्त द्वारा उद्घाटन



27 नवम्बर, 2014 को **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने दिल्ली पुलिस भवन, आसफ अली रोड़ स्थित विशेष शाखा के कार्यालय में आधुनिक सुविधाओं से लैस पाक प्रकोष्ठ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त विशेष शाखा श्री एस.एन.श्रीवास्तव, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्रीमती गरिमा भटनागर, श्री एस.के.गौतम, उपायुक्त पुलिस श्री मिलिंद डूम्रे** व इलाके के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट्स (पीसीसी) योजना की अपार सफलता के बाद पाकिस्तान नागरिकों की सुविधा के लिए ''पाक प्रकोष्ठ''को और ज्यादा सुविधाजनक बनाया है। प्रति दिन औसतन 100 से 150 के बीच पााकिस्तान नागरिक रजिस्ट्रेशन कराने, वीजा अवधि बढ़वाने, निर्वासन प्रक्रिया जैसे कार्यों के लिए विशेष शाखा कार्यालय में आते हैं। इन्हीं सुविधाओं को पारदर्शी व बेहतर बनाने और उनको अल्प समय में निष्पादित करने के उद्देश्य से पाक सेक्शन को यूजर फ्रेंडली बनाया गया है। पुलिस आयुक्त ने विशेष शाखा के अधिकारियों और कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में और बेहतर करने के अपने प्रयास को जारी रखें।



राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भावना पर जामिया में कार्यक्रम आयोजित

इंडियन जर्निलिस्ट फॉर इंडियन पीपल्स द्वारा 13 दिसम्बर, 2014 को जामिया स्थित मंज़ीब बाग में राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भावना कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संजय बेनीवाल, उपायुक्त पुलिस (दक्षिण–पूर्वी जिला) श्री मंदीप सिंह रंधावा, उपायुक्त पुलिस (दक्षिणी जिला) श्री प्रेमनाथ, अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस सुश्री चंदन चौधरी, अति.उपा.पुलिस महेश भारद्वाज, अति.उपा.पु. श्री मोहम्मद अली, अति.उपा.पुलिस श्री राजेन्द्र सिंह सागर, थानाध्यक्ष जैतपुर श्री सुनील कुमार शर्मा तथा अति.थानाध्यक्ष खजूरी खास श्री ओमप्रकाश** के अलावा भारी संख्या में इलाके के गणमान्य व्यक्ति और पुलिसकर्मी उपस्थित थे। मंच संचालनकर्ता वरिष्ठ पत्रकार श्री जावेद हुसैन ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य पिछले दिनों उत्तर–पूर्वी और दक्षिणी पूर्वी जिलों में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा फैलाई गई भ्रांति के बाद उत्पन्न हुई स्थिति को नियंत्रित करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित करना था। इस अवसर पर थानाध्यक्ष सरिता विहार मनिन्दर सिंह को एक पीड़ित लड़की का उपचार स्वयं अपनी जेब खर्च से कराकर एक मानवीय सेवा करने पर विशेषतौर पर सम्मानित किया गया।



दिल्ली पुलिस (रेलवे) ने "ऑपन बेसिक एजुकेशन प्रोग्राम" के तहत" "खोज" नाम से नए कार्यक्रम की शुरूआत की



दिल्ली पुलिस (रेलवे) ने बेघर व साधनवंचित बच्चों एवं रेलवे की सुरक्षा में एक और सार्थक कदम बढ़ाते हुए **"ऑपन बेसिक एजुकेशन प्रोग्राम"** के तहत "खोज" नाम से नए कार्यक्रम की शुरूआत की है। **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री मुकेश कुमार मीणा** के मार्ग दर्शन में 14 नवम्बर, 2014 से थाना हजरत निजामुद्दीन रेलवे में शुरू हुए इस कार्यक्रम को **"चेतना"** नामक गैर–सरकारी संगठन की सहायता से शुरू किया गया है। कार्यक्रम की शुरूआत के मौके पर उपायुक्त पुलिस (रेलवे) श्री संजय भाटिया, एसीपी (रेलवे) श्री ओमप्रकाश, सी.डब्लू.सी, कालकाजी की सदस्य सुश्री तस्लीमा जैदी, चेतना संगठन के प्रोजेक्ट कॉ–ऑर्डिनेटर श्री उपेन्द्र तथा हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के वरिष्ठ स्टेशन प्रबंधक श्री हरीश गाँधी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आस–पास के रेल परिसरों में घूमने वाले लावारिस/साधनवंचित बच्चों को शिक्षित करना और उनमें सुधार लाना है। ऐसे बच्चों की न केवल व्यक्तिगत तौर पर मदद की जाएगी, बल्कि उनके लिए ऐसे प्रयास किये जायेंगे की वे किसी बुरी आदत का शिकार न हों। फिलहाल 40 बच्चों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लेकर इस बात का अहसास कराया है कि ऐसे कार्यक्रम न केवल पुलिस विभाग के लिए लाभदायक हैं, बल्कि एक सभ्य समाज के लिए नितांत जरूरी है। गैर–सरकारी संगठन चेतना से जुड़े अध्यापक प्रतिदिन 10 से 2 बजे तक ऐसे बच्चों को पढ़ाते हैं। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को अल्पाहार देने व चिकित्सा जाँच कराने के अलावा उनके बीच खेल–कूद जैसी गतिविधियाँ भी आयोजित करवाते हैं।



34वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में दिल्ली यातायात पुलिस पवेलियन का श्रीमती सुनीरा बस्सी द्वारा उद्घाटन



15 नवम्बर, 2014 को **दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती सुनीरा बस्सी** ने 34वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में दिल्ली यातायात पुलिस पवेलियन का उद्घाटन किया। इस मौके पर **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा, श्री दीपक मिश्रा, श्री मुक्तेश चन्द्र, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री अनिल शुक्ला, श्री एस. के. गौतम, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री शरद अग्रवाल** एवं उपायुक्त पुलिस यातायात के अलावा भारी संख्या में यातायात पुलिसकर्मी एवं स्कूली बच्चे उपस्थित थे। यातायात पुलिस पवेलियन में रोड़ सेफ्टी एग्ज़ीबिशन–2014 के इस पवेलियन में आगुंतकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने, यातायात नियमों की महत्ता बताने, आधुनिक उपकरणों की जानकारी देने के अलावा सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से ऐसे हादसों को दिखाया गया है जिसमें चालक की मामूली गलती से अन्य लोगों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है।



भूतपूर्व पुलिस आयुक्त डॉ कृष्ण कांत पाल उत्तराखंड के राज्यपाल नियुक्त



डॉ कृष्ण कांत पाल

दिल्ली पुलिस के भूतपूर्व पुलिस आयुक्त डॉ. के.के.पाल को माह दिसम्बर, 2014 में महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त किया है। फरवरी–2004 से जुलाई 2007 तक दिल्ली पुलिस के आयुक्त रहे डॉ. पाल 1970 बैच (यूटी कैडर) के आईपीएस अधिकारी हैं। दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों में प्रमुख के तौर पर काम कर चुके डॉ. पाल इससे पहले मेघालय के राज्यपाल नियुक्त किये गये थे। अब उन्हें मेघायल से बदल कर उत्तराखंड के राज्यपाल का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। यह दिल्ली पुलिस परिवार के लिए खुशी और गर्व की बात है।

मैराथन दौड़ में एसआई हीरालाल को श्रेष्ठ स्थान



एसआई हीरालाल

उपायुक्त पुलिस रेलवे कार्यालय में तैनात 52 वर्षीय एसआई हीरालाल को दिल्ली में आयोजित होने वाली हर मैराथन दौड़ में न केवल भाग लेने का शौक रहता है बल्कि कोई श्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर पदक जीतने की लालसा भी रहती है। अब तक 8 स्वर्ण पदक, 7 रजत व 5 कांस्य पदक जीतने वाले हीरा लाल ने अपने जुनून व ज़ज्बे के चलते किसी भी प्रतियोगिता में अपनी उम्र को हावी नहीं होने दिया। मैराथन दौड़ में देशी विदेशी दोनों प्रतिभागी होते हैं। परन्तु एसआई हीरा लाल की दौड़ देखने को दर्शक लालायित रहते हैं, क्योंकि मैराथन दौड़ के दौरान एसआई हीरा लाल का लम्बा कद, मजबूत शरीर व अनुशासन देखने लायक होता है।

पुलिस आयुक्त ने 30 साहसी एवं जिम्मेवार नागरिकों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया



18 नवम्बर, 2014 को इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने दिल्ली के 30 ऐसे नागरिकों को सम्मानित किया जिन्होंने न केवल बदमाशों से जूझते हुए स्वयं की रक्षा की बल्कि अन्य नागरिकों की रक्षा में भी निःस्वार्थ मदद की। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री तेजेन्द्र सिंह लूथरा, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री रणबीर सिंह तथा उपायुक्त पुलिस श्रीमती सुमन गोयल** भी मंच पर उपस्थित थी। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री बस्सी ने बहादुर नागरिकों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित करते हुए कहा कि जब इंसान के मन से भय निकल जाता है तो वह असामान्य परिस्थिति से जूझने लगता है और उसका डटकर मुकाबला करता है, तो निःसंदेह सामने वाला अपराधी परस्त हो जाता है। पुलिस ऐसे नागरिकों के जज्बे को आगे बढ़ाना चाहती है और उनकी मदद करना चाहती है ताकि पुलिस और जनता के बीच दूरी कम हो और परस्पर विश्वास भी बढ़े। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की पुलिस बिना जनता के सहयोग के सफल नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि आम जनता को अपने साथ हुए अपराध पर हार नहीं माननी चाहिए बल्कि बदमाशों से दो–दो हाथ करने चाहिए। दिल्ली पुलिस उनकी मदद के लिए सदैव तत्पर है। अपने सम्बोधन



में श्री बस्सी ने पुलिसकर्मियों से भी कहा कि वे अक्कड़पन से नहीं बल्कि सेवाभाव से अपने दायित्व का निर्वहन करें। हमारी सेवाभावना ऐसी होनी चाहिए कि लोगों को सुरक्षा एवं न्याय दोनों मिल सके क्योंकि किसी भी पुलिस संगठन का मुख्य उद्देश्य समाज में शांति व्यवस्था कायम करना होता है। पुरस्कृत होने वाले 30 नागरिकों, जिनमें 8 महिलाएँ भी शामिल हैं। इनमें पश्चिम विहार इलाके में बाइक सवार लूटेरों से लोहा लेने वाली तृषा, हथियारबंद लूटेरों का मुकाबला करने वाली तिलक नगर चौखंडी निवासी एकता बत्रा, 43 आपराधिक मामलों में संलिप्त बदमाश को गिरफ्तार करवाने वाले विजय कुमार, बाइक सवार स्नैचरों को गिरफ्तार कराने में मदद करने वाली गुरमीत कौर व मंसूर अहमद, लूट की वारदात को विफल करने वाले इन्द्रपुरी निवासी रामदीन पहाड़िया व दिल्ली परिवाहन निगम की बस को अगुवा करने का प्रयास करने वाले छह डकैतों को निकट के पुलिस स्टेशन ले जाकर उन्हें गिरफ्तार कराने वाला दिल्ली परिवहन निगम का चालक इत्यादि पुरस्कृत होने वालों में शामिल है। सम्मानित होने वाले नागरिकों ने कहा कि दिल्ली पुलिस का यह सम्मान हमें ही नही अपितु अन्य नागरिकों को हौसला देगा और दिल्ली को कैसे सुरक्षित रखा जाए, सोचने पर विवश करेगा। पुलिस आयुक्त ने सम्मानित होने वाले सभी 30 नागरिकों को उनके साहस और जज़्बे के लिए 5 हजार से लेकर 10 हजार रूपये तक के नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया।



पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में 'अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक' सम्पन्न



12 नवम्बर, 2014 को पुलिस मुख्यालय में राष्ट्रीय राजधानी एवं आस–पास के क्षेत्र में कानून व्यवस्था तथा आतंकवाद से जुड़े मसलों पर बेहतर समन्वय के लिए 'अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक' आयोजित की गई। **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** की अध्यक्षता में आयोजित इस अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक में दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अलावा पड़ोसी राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी भाग लिया। बैठक में उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, बिहार व जम्मू–कश्मीर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने आतंकवाद से निपटने के उपायों पर चर्चा की। पुलिस आयुक्त श्री बस्सी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा समय–समय पर जारी निर्देशों के पालन को सुनिश्चित करते हुए आम जनता से जुड़ने के लिए पुलिस को नई तकनीक और नव–विचारों को अपनी कार्यशैली में शामिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपसी तालमेल पर विशेष जोर देना चाहिए ताकि लोगों की सुरक्षा के साथ–साथ अपराध एवं अपराधियों की सूचनाओं का बेहतर ढंग से आदान–प्रदान हो सके। श्री बस्सी ने पिछले दिनों दिल्ली पुलिस द्वारा शुरू की गई 'लॉस्ट रिपोर्ट, पीसीसी, मोबाइल ऐप व भ्रष्टाचार के खिलाफ विशेष हैल्पलाइन' की सफलता का जिक्र करते हुए लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों से विचार–विमर्श करते हुए श्री बस्सी ने कहा कि पैरा ग्लाईडर, माईक्रॉ लाईट और एयरक्राफ्ट जैसी चीज़ों पर भी निग़ाहें रखें और उनकी गंभीरता को समझे ताकि आतंकवादियों की मंशा को नाकामयाब किया जा सके। पुलिस आयुक्त महोदय ने बैठक में मौजूद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से कहा कि रेहड़ी, पटरी वालों, पार्किंग में काम करने वालों, तिपहिया चालकों, कार डीलरों, टेलीफोन बूथ मालिकों, दुकानदारों और सुरक्षा गार्डों आदि को अपनी कार्यप्रणाली में शामिल करते हुए जनता से सीधे जुड़ने का प्रयास करें ।

वजीराबाद स्थित पुलिस प्रशिक्षण स्कूल में पासिंग आउट परेड़ सम्पन्न हुई

23 दिसम्बर, 2014 को वजीराबाद स्थित पुलिस प्रशिक्षण स्कूल में पासिंग आउट परेड़ का आयोजन किया गया। जिसमें 23 महिला प्रशिक्षुओं सहित कुल 176 प्रशिक्षु अपना प्रशिक्षण समाप्त कर दिल्ली पुलिस परिवार में शामिल हुए हैं। इस मौके पर मुख्य अतिथि **विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण) श्री किशन कुमार** ने परेड की सलामी ली। पासिंग आउट परेड समारोह के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जवान और दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल के छात्र एवं छात्राएं भी उपस्थित थे। प्रशिक्षु सिपाहियों के 100वें व 101वें बैच में पासआउट होने वाले प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री किशन कुमार ने कहा कि मैं पास–आउट होने वाले सभी प्रशिक्षणार्थियों को पुलिस परिवार में शामिल होने पर शुभकामनाएँ देता हूँ और आपके सफल पुलिस करियर की कामना करता हूँ। उन्होंने कहा कि पुलिस करियर में पेशेवर निपुणताओं को हासिल करते हुए दिल्ली के नागरिकों की सेवा और मानवीय पहलुओं को ध्यान में रख कर अपने कर्तव्य को अंजाम दें। प्रशिक्षण के दौरान आप सभी प्रशिक्षणार्थियों को व्यक्तित्व विकास के साथ–साथ कानूनी ज्ञान, दिल्ली जैसे महानगर में एक पुलिसकर्मी के दायित्व, कम्प्यूटर ज्ञान, जांच में वैज्ञानिक तरीके, भीड़ नियंत्रण करने का प्रशिक्षण दिया गया है जो भविष्य में आपके कर्तव्यपालन में मददगार साबित होगा। पासआउट होने वाले प्रशिक्षुओं में 124 12वीं पास, 47 स्नातक, 2 स्नात्तकोत्तर व 3 एमबीए तक शिक्षा प्राप्त हैं। पुरूष प्रशिक्षणार्थियों में प्रशिक्षु कां0 मंजीत को सर्वश्रेष्ठ, कां0 अनमोल को कानून एवं पुलिस व्यवहार में प्रथम, कां0 प्रदीप को कानून में प्रथम, कां.0 दीपांशू को पीटी में प्रथम तथा कां0 अजय को परेड में प्रथम प्रशिक्षाणार्थी घोषित किया गया। जबकि महिला प्रशिक्षणार्थियों में कां0 ममता को सर्वश्रेष्ठ, कां0 नीलम को कानून एवं पुलिस व्यवहार में प्रथम, कां0 आरती को परेड में प्रथम, कां0 अशूं रानी को मस्कटरी में प्रथम जबकि कां0 मनीता को कमांडों में प्रथम प्रशिक्षणार्थी घोषित किया गया। सभी श्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थियों को मुख्य अतिथि महोदय द्वारा ट्रॉफी एवं प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।









उद्घोषक एसआई रोहताश शर्मा

पुलिस प्रशिक्षण स्कूल झाड़ौदा कलां में तैनात एसआई रोहताश शर्मा पिछले कई वर्षो से दिल्ली पुलिस में आयोजित होने वाले प्रमुख समारोह में उद्घोषक के रूप में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। अपने स्पष्ट उच्चारण, मधुर भाषा व परिस्थितियों एवं समयानुसार स्थिति का तत्काल वर्णन करना उनकी एक विशेषता है। 16 फरवरी को पुलिस स्थापना दिवस हो या 21 अक्टूबर को शहीदी दिवस हो एसआई रोहताश सिंह की आवाज उनकी उपस्थिति का एहसास करा देती है।

महाभारत काल में इन्द्रप्रस्थ के नाम से प्रसिद्व पांड़वों की नगरी दिल्ली में पहली बार पुलिस के इतिहास में दिल्ली पुलिस ने interactive electronic interface का web एवं Mobile Apps के द्वारा आम जनता से जुड़ने का अद्भुत एवं अनोखा रास्ता अपनाया है।– हमारी एक उपलब्धि

27 आशुलिपिकों को निरीक्षक पद का कार्यभार

पुलिस मुख्यालय द्वारा दिनांक 10 दिसम्बर, 2014 को जारी एक परिपत्र के अनुसार 27 आशुलिपिकों को निरीक्षक (आशुलिपिक) पद का कार्यभार सौंपा गया है। निरीक्षक पद पर कार्यभार संभालने वाले निरीक्षकों में शामिल हैं: सर्वश्री निगमेन्द्र ग्रेवाल, शक्ति सुमन, विवेक शर्मा, खुर्शीद अली, अशोक कुमार, रविदत्त, अश्वनी कुमार, अनिता गर्ग, सत्यवीर सिंह, सुरेन्द्र सिंह, अजय शर्मा, मीनू कोहली, परमिन्दर कुमार, राजेन्द्र प्रसाद पोखरियाल, राजकुमारी, सुभाषचंद, जसविन्दर सिंह, अशोक कुमार, मनमोहन साहनी, तारादत्त, राजेन्द्र सिंह, अश्वनी कुमार, अनिल कुमार दुबे, अंजना, अरूण कुमार चौहान, शेखर गर्ग तथा सतेन्द्र कुमार।

केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह का थाना पहाड़गंज में औचक दौरा

18 नवम्बर, 2014 की दोपहर **केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह** ने थाना पहाड़गंज का औचक दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ **उप–राज्यपाल माननीय श्री नज़ीब जंग,** दिल्ली सरकार के **सचिव श्री डीएम स्पोलिया** व **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** भी मौजूद थे। दिल्ली में साफ–सफाई एवं कानून व्यवस्था का जायजा लेने निकले गृहमंत्री महोदय ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल व थाना पहाड़गंज में जाकर वहाँ की साफ–सफाई और व्यवस्था का जायजा लिया। केंद्रीय गृहमंत्री सीधे पहाड़गंज थाने के ड्यूटी ऑफिसर के पास पहुंचे और उसकी ड्यूटी और कामकाज के बारे में जानकारी हासिल की। बाद में मालखाने का जायजा लेते हुए उन्होंने थाने की बेहतर साफ–सफाई पर अपनी संतुष्टि जताई और पुलिसकर्मियों से उनके कामकाज के बारे में जानकारी हासिल की।



11 दिसम्बर, 2014 को यू.ए.ई के एक पुलिस प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस मुख्यालय स्थित पुलिस नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली और दिल्ली पुलिस की संचार व्यवस्था के बारे में जानकारी हासिल की व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त (परिचालन) श्रीमती एस. सुन्दरी नंदा, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (परिचालन) श्री रणबीर सिंह, उपायुक्त पुलिस (पीसीआर) श्री ब्रहम सिंह, उपायुक्त पुलिस (पीसीआर) श्री ओ. पी. मिश्रा अति. उपायुक्त पुलिस (पीसीआर) श्रीमती सुमन नलवा, तथा अति. उपायुक्त पुलिस पुलिस (संचार) श्री एस.के.गौतम** उपस्थित थे। पुलिस मुख्यालय स्थित कॉफ्रेंस हॉल में दिल्ली पुलिस व यू.ए.ई के पुलिस प्रतिनिधि मंडल के बीच परस्पर विचार–विमर्श और कार्यप्रणाली की जानकारी हासिल करने के बाद एक–दूसरे को परस्पर स्मृतिचिन्ह् भेंट किये।

उरिवि विक्रम चैरिटेबल ट्रस्ट के 22वें स्थापना दिवस पर पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी मुख्य अतिथि



23 नवम्बर, 2014 को द्वारका में आयोजित **22वें उरिवि विक्रम चैरिटेबल ट्रस्ट समारोह** में **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। विभिन्न सामाजिक कल्याणार्थ कार्यो से जुड़ा यह ट्रस्ट छात्रों को मनोवैज्ञानिक परामर्श व भविष्य निर्धारण करने में प्रेरणा, स्कूली शिक्षा को बीच में छोड़ने वाले और साधानवंचित बच्चों को जीवन यापन के लिए निपुण बनाने के लिए शक्ति, वैकल्पिक निपुणता प्रशिक्षण देने के लिए सहारा, पुनर्वास और नाबालिग अपराधियों के जीवन में सुधार लाने के लिए परिवर्तन नामक योजनाएँ संचालित करता है। स्मरण दिलाया जाता है कि इस ट्रस्ट की स्थापना भूतपूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी श्री यू.एन.बी राव तथा उनकी पत्नी द्वारा उनके इकलौते पुत्र की स्मृति में की गई थी। उनके पुत्र उरिवि विक्रम की वर्ष 1990 में मात्र 21 वर्ष की आयु में एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। 22वें स्थापना दिवस के अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम हासियें पर रहे परिवारों के बच्चों के लिए काफी लाभदायक साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर का यह गैर सरकारी संगठन पिछले 22 वर्षो से 10 से 19 वर्ष तक की आयु के बच्चों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करने के लिए सतत् प्रयास कर रहा है।



नव–नियुक्त, प्रतिनियुक्ति से या अन्य संघ राज्यों से दिल्ली पुलिस में वापिस आने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों से शहीदी कोष में शामिल होने का आग्रह।

पुलिस मुख्यालय द्वारा 13 नवम्बर, 2014 को जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि स्थाई आदेश संख्या 421/2013 के अनुसार दिल्ली पुलिस में नव–नियुक्त और प्रतिनियुक्ति से या अन्य संघ राज्यों से दिल्ली पुलिस में वापिस लौटनें वाले पुलिसकर्मियों को अपना एक दिन का वेतन अशंदान के रूप में शहीदी कोष में कटवाना चाहिए। स्थाई आदेश के पैरा 4–ए में कहा गया है दिल्ली पुलिस में शामिल होने वाले प्रत्येक कर्मी का शहीदी कोष का सदस्य बनाना इच्छाबोधक हैं। परिपत्र में कहा गया है कि ऐसा महसूस किया गया है कि दिनांक 01.02.2013 के बाद नियुक्ति पाने वाले पुलिसकर्मियों ने अपना एक दिन का वेतन शहीदी कोष में नहीं कटवाया है। इसी तरह कुछ कर्मियों ने स्थानांतरित होने पर या प्रतिनियुक्ति से वापिस दिल्ली पुलिस में लौटने पर अपना अशंदान शहीदी कोष में नहीं कटवाया है। परिपत्र में कहा गया है कि सभी जिलों/ईकाईयों को सुनिश्चित करना चाहिए कि दिल्ली पुलिस में भर्ती होने वाले सभी नए कर्मियों को उनकी इच्छाबोध पर एक दिन का वेतन अशंदान के रूप में कटवाने के लिए प्रेरित करें और उनके पहले वेतन से यह अशंदान काट लें। शहीदी कोष में एक दिन के वेतन के अशंदान के रूप में कटौती से पूर्व पुलिसकर्मी का स्वैच्छिक एवं नामांकन फार्म भी साथ–साथ लेकर उक्त पुलिसकर्मी की चरित्र पंजिका/सर्विस रिकॉर्ड में लगा दें।

147 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर विभिन्न पदों पर दिल्ली पुलिस में शामिल किया

20 नवम्बर, 2014 को पुलिस मुख्यालय में सम्पन्न हुई Establishment Board की बैठक में 147 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर विभिन्न पदों पर दिल्ली पुलिस में शामिल किया गया है। इनमें 5 पद हैडकां0 (मिनिस्ट्रीयल), 2 पद कांस्टेबल (चालक), 41 पद महिला कांस्टेबल (कार्यकारी) तथा 99 पद कां0 पुरूष (कार्यकारी) के शामिल हैं। दिल्ली पुलिस प्रशासन द्वारा उठाया गया यह एक कल्याणकारी कदम है जो 147 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों के सुचारू जीवन यापन में सहायक सिद्ध होगा।

श्रद्धांजली

सितम्बर माह के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/ईकाईयों में तैनात 21 पुलिसकर्मियों की विभिन्न कारणों से असमय मृत्यु हो गई है। दिल्ली पुलिस परिवार अपने इन सभी दिवंगत साथियों के आश्रितों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता है। इन दिवंगत साथियों में शामिल है: एएसआई अशोक कुमार व कां0 अनिल पवार (पूर्वी जिला), एएसआई सुरेन्द्र सिंह, कां0 बिजेन्दर सिंह, महिला कां0 सुनीता (उत्तर–पश्चिमी जिला), कां0 राजकुमार व कां0 विरेन्द्र सिंह (बाहरी जिला), एएसआई रमेश चंद व कां0 (चालक) सतपाल (तृतीय वाहिनी), एएसआई अर्जुन सिंह व कां0 धर्मपाल (उतर–पूर्वी जिला), हैडकां0 सतबीर सिंह व कां0 रणबीर सिंह (दक्षिणी जिला), कां0 विजय कुमार (यातायात), हैडकां0 दिलबाग सिंह (मध्य जिला), एएसआई रविदत्त एवं हैडकां0 सुखदेव राज (पीसीआर) हैडकां0 दिनेश कुमार (पीएंडएल), एमटीएस शिव सिंह (पीटीसी) तथा रसोईया धर्मेन्द्र कुमार (दक्षिण–पूर्वी जिला)

उपायुक्त पुलिस श्री नावेद मुमताज के निधन पर पुलिस परिवार में शोक


स्व. नावेद मुमताज

उपायुक्त पुलिस (संचार) श्री नावेद मुमताज की 22 दिसम्बर, 2014 को उपचार के दौरान मैक्स अस्पताल में असमय मृत्यु हो गई। 51 वर्षीय श्री नावेद मुमताज 18 दिसम्बर से साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में उपचाराधीन थे। श्री मुमताज प्रोस्टेट कैंसर से ग्रस्त थे। जन्नति श्री नावेद मुमताज को हजरत निजामुद्दीन स्थित पंच पीरान कब्रिस्तान में दफनाया गया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे। वर्ष 1991 में दिल्ली पुलिस में शामिल हुए श्री मुमताज 2001 में उपायुक्त पुलिस के पद पर पदोन्नत हुए। उनके परिवार में पत्नी और एक पुत्र व पुत्री हैं। दोनों बच्चे इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं।

13 दिसम्बर की रात कालिंदी कुंज इलाके में वाहनों की चैकिंग कर रहे पुलिसकर्मियों को ईको कैब द्वारा टक्कर मारे जाने से 2 पुलिसकर्मियों की दुःखद मौत व एक घायल


स्व. एएसआई नागेन्द्र सिंह


स्व. कां. सावकार प्रहलाद

दक्षिण–पूर्वी जिला में 13 दिसम्बर, 2014 की देर रात बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की चैकिंग कर रहे तीन पुलिसकर्मियों को नशे में धुत एक ईको कैब चालक द्वारा टक्कर मारे जाने से दो पुलिसर्मियों की मौत हो गई जबकि एक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना जैतपुर में तैनात एएसआई नागेन्द्र, हैडकां कप्तान सिंह व कां0 प्रहलाद राय कालिंदी कुंज इलाके में वाहनों की चैकिंग कर रहे थे कि नोएडा से कालिंदी कुंज की तरफ से तेजगति से आ रही एक ईको कैब ने बैरिकेडिंग को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बेरिकेडिंग के पीछे खड़े तीनों पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गये। बताया जाता है कि कैब की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बैरिकेडिंग के हिस्से टूट कर पुलिसकर्मियों के शरीर में घुस गये। घटना की सूचना मिलने पर पीसीआर, स्थानीय पुलिस एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को निकट के अपोलो अस्पताल में उपचार के लिए ले गये। एएसआई नागेन्द्र व कां0 प्रहलाद राय की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल हैडकां0 कप्तान सिंह उपचाराधीन थे। पुलिस ने कैब चालक हेमंत को मौके से गिरफ्तार करते हुए कैब को कब्जे में ले लिया। नोएडा स्थित किसी कॉल सेंटर की ईको कैब का चालक हेमंत की घटना के समय शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। दिवंगत एएसआई नागेंद्र पाल सिंह वर्ष 1982 में पुलिस में सिपाही पद पर भर्ती हुए थे और मूलरूप से गांव शिखरण, थाना लोठा, जिला अलीगढ़, उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। परिवार में पिताजी, धर्मपत्नी श्रीमती सविता देवी और विपिन कुमार व प्रवीण कुमार दो पुत्र हैं। दोनों पुत्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। दिवंगत कां0 सावकार प्रहलाद राम राव वर्ष 1994 में पुलिस परिवार में शामिल हुए थे और मूलरूप से गांव आलेगांव, तालुका पूर्णा, जिला परभणी (महाराष्ट्र) के रहने वाले थे। परिवार में पत्नी व कुमारी प्रगति एवं अक्षति नामक दो पुत्रियॉ हैं। दोनों पुत्रियॉ जे.एन.यू. स्थित केन्द्रीय विधालय स्कूल में क्रमशः 11वीं एवं 7वीं कक्षा की छात्रा हैं। घायल हैडकां0 कप्तान सिंह वर्ष 1982 में दिल्ली पुलिस में शामिल हुए हैं और मूलरूप से धर्मपट्टी, 15, होडल, पलवल, हरियाणा के रहने वाले हैं और उनके परिवार में 3 सुपुत्र एवं एक पुत्री हैं। हैडकां0 कप्तान सिंह स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। समस्त दिल्ली पुलिस परिवार असमय मृत्यु को प्राप्त हुए अपने दिवंगत साथियों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है और प्रभु से प्रार्थना करता है कि उनके आश्रितों को यह असीम दुख सहने की शक्ति दें। दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को प्रशासनिक स्तर पर हर संभव मदद मुहैया कराये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

स्थानांतरण, पदोन्नति एवं स्थाईकरण संबंधी खबरें

स्थानांतरण : पुलिस मुख्यालय द्वारा 1 दिसम्बर, 2014 को जारी परिपत्र के अनुसार निम्नलिखित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्थानांतरित हुए हैं। श्री राजेश मलिक (1986) केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति से विशेष पुलिस आयुक्त (पीएंडएल), श्री एस.वासुदेवा राव (1986) केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति से विशेष पुलिस आयुक्त (वेलफेयर एंड एस्टेट ऑवरसाइट), श्री बालाजी श्रीवास्तव (1988) विशेष पुलिस आयुक्त पीएंडएल से विशेष पुलिस आयुक्त (गुप्तचर), श्री एस.बी.एस. त्यागी (2000) अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (नई दिल्ली जिला) से अतिरिक्त आयुक्त पुलिस सुरक्षा, श्री रणबीर सिंह (2000) अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (पश्चिमी जिला) से अतिरिक्त आयुक्त पुलिस परिचालन, श्री आलोक कुमार (2000) अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (मध्य जिला) से अतिरिक्त आयुक्त पुलिस सतर्कता, श्री ईश्वर सिंह (2005) दादर नागर हवेली से स्थानांतरित होने पर उपायुक्त पुलिस भ्रष्टाचार शाखा, श्री परमादित्य (2005) लक्ष्यद्वीप से स्थानांतरित होने पर उपायुक्त पुलिस मध्य जिला, श्री विजय सिंह (2005) गोवा से स्थानांतरित होने पर उपायुक्त पुलिस नई दिल्ली जिला व श्री पुष्पेन्द्र कुमार (2006) अति.उपा.पुलिस –1 पूर्वी जिला से उपायुक्त पुलिस पश्चिमी जिला।

पदोन्नतिः अक्टूबर व नवम्बर माह के दौरान 634 कांस्टेबल व 108 महिला कांस्टेबलों को हैडकांस्टेबल पद पर पदोन्नत किया गया है। 349 है.कां. को एएसआई पद पर तथा 56 इं. को एसीपी पद पर पदोन्नत किया गया है। जबकि इस दौरान एएसआई फिंगर प्रिंट के पद पर 20 नई नियुक्तियां की गई हैं।

स्थाईकरणः अगस्त व सितम्बर माह के दौरान 36 महिला एएसआई (कार्यकारी) व 03 एएसआई (कार्यकारी) के स्थाईकरण के आदेश पारित हुए हैं।

सेवानिवृत्तिः अगस्त माह के दौरान 73 पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हुए हैं। इनमें से 5 पुलिसकर्मियों ने स्वैच्छा से सेवानिवृत्ति ली है। सेवानिवृत्त होने वाले सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए पुलिस परिवार हार्दिक कामना करता है। सेवानिवृत्त होने वालों में शामिल हैंः– एसआई हामिद अली व एसआई महाबीर सिंह (राष्ट्रपति भवन), एएसआई महिपाल सिंह एमटीएस जलबाई मीणा (तृतीय वाहिनी), एसआई सुरेन्द्र सिंह व एसआई सत्यनारायण (मध्य जिला), एसआई श्रीकृष्ण (यातायात), एसआई बिक्रम सिंह (उतरी जिला), एसआई ईश्वर सिंह (लिपिकीय, एफआरआरओ), एसआई सुरेश चन्द्र (पूर्वी जिला), एसआई बलवान सिंह, एएसआई ओमप्रकाश व हैडकां0 जगदीश सिंह (उतर–पश्चिमी जिला), एएसआई नरेन्द्र सिंह हैडकां0 ऋषिपाल, हैडकां0 गुरबचन सिंह, व हैडकां0 रघुबीर सिंह (पीएंडएल),एसआई शिव लाल च माली रामआसरे (सातवीं वाहिनी), एएसआई सत्यवीर सिंह (दक्षिणी जिला), एएसआई अतर सिंह, एएसआई शिवलाल व हैडकां0 करार हुसैन (दक्षिण–पश्चिमी जिला), एसआई राम नारायण व एएसआई जयपाल (मध्य जिला), हैडकां0 सत्यवीर सिंह (पीटीसी), इंस्पेक्टर महेन्द्र सिंह गहलान व कां0 राजकुमार (बाहरी जिला), एसआई शीश राम, एसआई दुर्गा हरीमोहन, एएसआई राजेन्द्र सिंह व हैडकां0 घनश्याम दास (संचार शाखा), एसआई सतबीर सिंह, एसआई बलवान सिंह, एसआई पृथ्वीराज, एसआई कृष्ण पाल, एसआई सुरेन्द्र पाल, एसआई रघुवीर सिंह, एसआई भोर सिंह, एसआई विनोद कुमार, एसआई भगवान सिंह, एसआई जगदीशचन्द्र, एएसआई राजसिंह, एएसआई नाहर सिंह, हैडकां0 सरफराज अली व हैडकां0 ओमदत्त (पीसीआर) महिला एएसआई दर्शना (उतर–पूर्वी जिला), एसआई धर्मपाल, एसआई राजपाल, एसआई रोहताश सिंह, एसआई ब्रहमप्रकाश, एसआई केवल सिंह (विशेष शाखा), इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार, एसआई सूरजभान, एसआई वेदप्रकाश, एसआई अताउल्लाहखान, हैडकां. कर्णसिंह, हैडकां0 हरपाल सिंह, हैडकां0 श्रीभगवान, हैडकां0 शत्रुधन, हैडकां, राम लाल कां0 अजीत सिंह व एमटीएस सुरेन्द्र (सुरक्षा), एसआई रतन लाल, हैडकां0 इरदीश मोहम्मद, हैडकां0 धर्मपाल सिंह, हैडकां0 पारस नाथ (दक्षिण–पूर्वी जिला), एएसआई राजीव खुराना (अपराध शाखा), एमटीएस राजन (द्वितीय वाहिनी), एएसआई हरी सिंह (नई दिल्ली जिला) तथा एसआई सुधन चंद (सतर्कता शाखा)।

30 नवम्बर, 2014 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी



एसीपी श्री जितेन्द्रजीत सिंह



एसीपी श्री राजेन्द्र प्रसाद त्यागी



फोटो : कैमरा

एसीपी श्री विरेन्द्र सिंह

31 दिसम्बर, 2014 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी



एसीपी श्री भरत सिंह जाखड़



एसीपी श्री जसबीर मलिक



एसीपी श्री कलीराम बेनीवाल



एसीपी श्री प्रकाश चन्द्र



एसीपी श्री रायसिंह खत्री



एसीपी श्रीमती लक्ष्मी देवी



एसीपी श्री रामफल सिंह



एसीपी श्री सतीश चन्द्र यादव



एसीपी श्री श्याम सुन्दर



एसीपी श्री विमल कुमार

बहादुर लड़की पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित



पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने बुराड़ी में रहने वाली एक खिलाड़ी सुश्री भारती कुमार (19) एवं उसके ट्रैनर श्री अमित गोस्वामी को मार्केट में छेड़छाड़ करने और अश्लील फब्बितयॉ कसने वाले एक सड़कछाप मजनूं का डटकर मुकाबला करने और उसे पुलिस के हवाले करने के उनके जज़्बे को देखते हुए 10 हजार रूपये के नकद पुरस्कार व प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया है। इस अवसर पर वि0पु0आ श्री दीपक मिश्रा, सं0पु0आ0 श्री संदीप गोयल एवं उपायुक्त पुलिस श्री मधुर वर्मा भी उपस्थित थे। राष्ट्रीय स्तर की ताईक्वांडो खिलाड़ी सुश्री भारती कुमार ने छेड़छाड़ और अश्लील टिप्पणी करने वाले बाबा कॉलोनी, बुराड़ी निवासी एक 28 वर्षीय व्यक्ति का न केवल डटकर विरोध किया बल्कि अपनी शारीरिक प्रतिभा के दम पर उसकी पिटाई की और मदद के लिए अपने ट्रैनर श्री गोस्वामी को भी मौके पर बुला लिया। बाद में दोनों ने मिलकर अभियुक्त को पुलिस के हवाले कर दिया।



2 दिसम्बर, 2014 को यू. एस. दूतावास के क्षेत्रीय अधिकारी श्री जैफ़ हॉर्की ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त ने उन्हें एक स्मृति चिन्ह् भी भेंट किया।



18 दिसम्बर, 2014 दिल्ली स्थित यू.ए.ई के राजदूत ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी से मुलाकात कर विचार-विमर्श किया। मुलाकात के बाद दोनों अधिकारियों ने परस्पर स्मृति चिन्ह् भेंट कर आपसी सद्भावना प्रदर्शित की।



सम्पादक

सम्पादक : जन-सम्पर्क अधिकारी, दिल्ली पुलिस राजन भगत

एवं सह-सम्पादक : उप-नि. सतबीर सिंह, पुलिस मुख्यालय नई दिल्ली



सह-सम्पादक